E Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA PART TWO ECONOMICS HONS
PAPER THIRD

Distinguish between Cooperative and Collective Farming -

सहकारी तथा सामूहिक कृषि

प्रणाली में अन्तर - सहकारी और सामूहिक कृषि प्रणालियों का मूल भूत उद्देश्य एक समान होता है अर्थात् बड़े पैमाने की खेती तथा यंत्रीकरण एवं उन्नत तकनीक के प्रयोग द्वारा कृषि उत्पादन बढ़ाना। परन्तु इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए जो विधियाँ अपनायी जाती हैं वे दोनों कृषि प्रणालियों में अलग अलग है। N. G. RANGA के शब्दों में- "सहकारी और सामूहिक कृषि के बीच वास्तविक अन्तर उस सीमा का है जिस सीमा तक खेती में सहकारी या बाहरी शक्तियों का हस्तक्षेप रहता है तथा सदस्यगण अपने सहकारी निर्णयों एवं निर्देशों द्वारा सक्रिय इच्छापूर्ण भाग ले सकते हैं। सामूहिक कृषि का आधार जैसे लोकतांत्रिक व्यवस्था होती है तथा इसे चलाया भी अलोकतांत्रिक ढंग से जाता है। सामूहिक कृषि के अन्तर्गत सदस्यों की नैतिकता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। जबकि सहकारी

कृषि प्रणाली लोकतांत्रिक तरीको से अपनायी या लागू की जाती है।"

सहकारी तथा सामूहिक कृषि के बीच मुख्य अन्तर निम्नलिखित है -

सहकारी कृषि	सामूहिक कृषि
1. सहकारी कृषि में भूमि पर किसानो का निजी स्वामित्व बना रहता है।	1. सामूहिक कृषि में निजी स्वामित्व समाप्त हो जाता है और भूमि का सामाजीकरण कर दिया जाता है।
2. सहकारी कृषि ऐच्छिक संगठन पर आधारित होती है।	2. सामूहिक कृषि में अनिवार्यता एवं दबाव का अंश विद्यमान रहता है।
3. सहकारी कृषि में एक सदस्य को कृषि व्यवस्था से अलग होने का अधिकार होता है।	3. सामूहिक कृषि में इस प्रकार के अलग होने के अधिकार को समाप्त कर दिया जाता है।
4. सहकारी कृषि में प्रत्येक सदस्य को उसकी भूमि, पूँजी श्रम आदि के अनुपात में उपज का हिस्सा मिलता है।	4. सामूहिक कृषि में वितरण की व्यवस्था अलग प्रणाली होती है।
5. सहकारी कृषि में कृषि समिति के कार्यों में हस्तक्षेप करने का अधिकार प्रत्येक सदस्य का होता है।	5. सामूहिक कृषि में सदस्यों को कृषि समिति के कार्यों में तथा मूल्य निर्धारण में कोई अधिकार नहीं होता है।
6. सहकारी कृषि में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बनी रहती है।	6. सामूहिक कृषि में व्यक्तिगत स्वतंत्रता का लोप हो जाता है।
7. सहकारी कृषि में लोगों का आकार सामूहिक कृषि की तुलना में छोटा होता है।	7. सामूहिक कृषि में लोगों का आकार बड़ा होता है जिसमें वैज्ञानिक ढंग से बड़े आकार की खेती की जाती है।

इस प्रकार दोनों कृषि प्रणालियों के गुण-दोषों की चर्चा के बाद सहकारी कृषि ज्यादा उपयुक्त है।